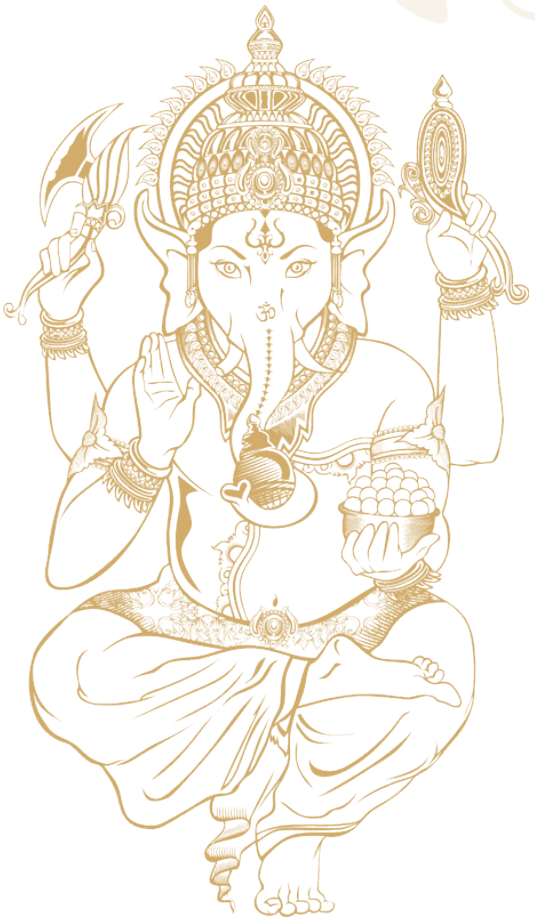

Prabha Rashmi Vimal

15 Jul 1997

03:15 PM

Sitamarhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121259102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/07/1997**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**15:15:00 घंटे**
इष्ट	25:26:42 घटी
स्थान	**Sitamarhi**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:36:00 उत्तर
रेखांश	85:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:27:00 घंटे
वेलान्तर	-00:05:56 घंटे
साम्पातिक काल	11:00:08 घंटे
सूर्योदय	05:04:19 घंटे
सूर्यास्त	18:43:15 घंटे
दिनमान	13:38:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	29:07:19 मिथुन
लग्न के अंश	11:52:59 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुभ
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	11:52:59	311:22:02	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	29:07:19	00:57:13	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	सम राशि
चंद्र			तुला	27:52:24	12:54:03	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	18:53:53	00:32:08	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध			कर्क	18:59:52	01:40:10	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
गुरु	व		मक	26:12:44	00:06:06	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			कर्क	26:20:42	01:12:33	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि			मीन	26:16:56	00:01:46	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	27:47:20	00:04:53	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	27:47:20	00:04:53	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	13:26:30	00:02:18	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:54:19	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:13:45	00:00:54	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	19:56:13	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:20

लग्न-चलित

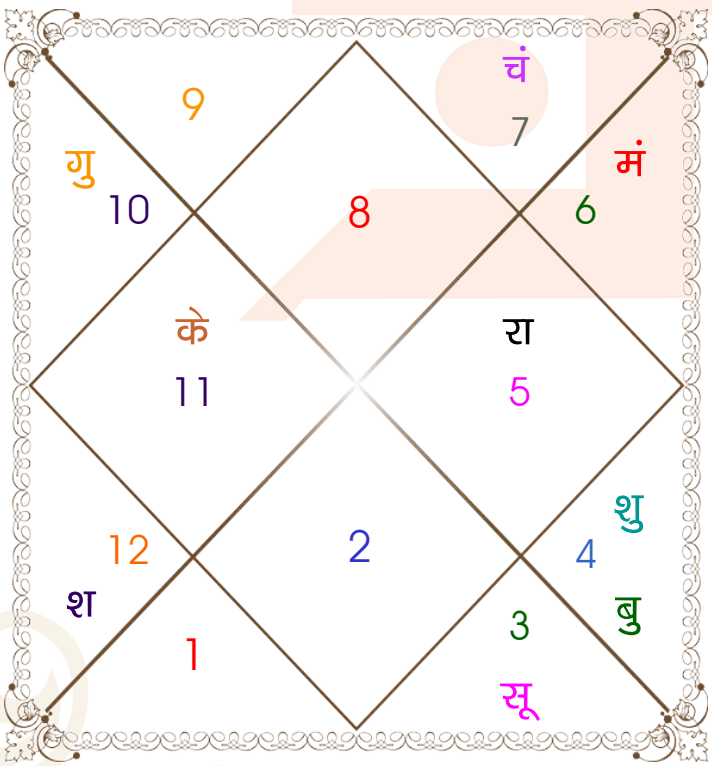

चन्द्र कुंडली

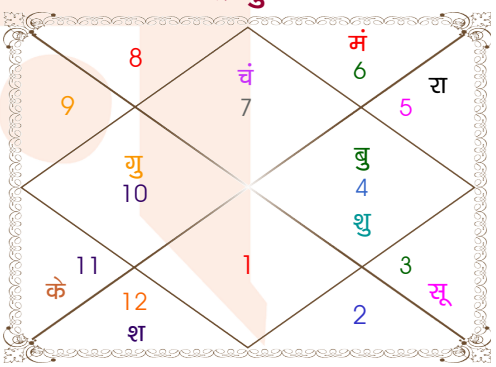

नवमांश कुंडली

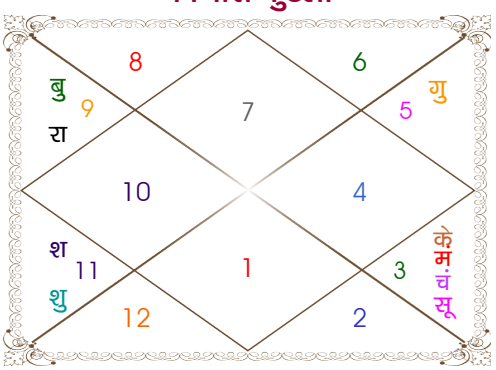

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 6 मास 18 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/07/1997		02/02/2004		02/02/2023		02/02/2040		02/02/2047	
02/02/2004		02/02/2023		02/02/2040		02/02/2047		02/02/2067	
	00/00/0000	शनि	05/02/2007	बुध	01/07/2025	केतु	30/06/2040	शुक्र	03/06/2050
	00/00/0000	बुध	15/10/2009	केतु	28/06/2026	शुक्र	30/08/2041	सूर्य	04/06/2051
	00/00/0000	केतु	24/11/2010	शुक्र	28/04/2029	सूर्य	05/01/2042	चंद्र	01/02/2053
	15/07/1997	शुक्र	24/01/2014	सूर्य	04/03/2030	चंद्र	06/08/2042	मंगल	04/04/2054
शुक्र	16/08/1998	सूर्य	06/01/2015	चंद्र	04/08/2031	मंगल	03/01/2043	राहु	03/04/2057
सूर्य	04/06/1999	चंद्र	06/08/2016	मंगल	31/07/2032	राहु	21/01/2044	गुरु	03/12/2059
चंद्र	03/10/2000	मंगल	15/09/2017	राहु	17/02/2035	गुरु	27/12/2044	शनि	02/02/2063
मंगल	09/09/2001	राहु	22/07/2020	गुरु	25/05/2037	शनि	05/02/2046	बुध	03/12/2065
राहु	02/02/2004	गुरु	02/02/2023	शनि	02/02/2040	बुध	02/02/2047	केतु	02/02/2067

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
02/02/2067		01/02/2073		02/02/2083		02/02/2090		03/02/2108	
01/02/2073		02/02/2083		02/02/2090		03/02/2108		00/00/0000	
सूर्य	23/05/2067	चंद्र	03/12/2073	मंगल	01/07/2083	राहु	15/10/2092	गुरु	23/03/2110
चंद्र	21/11/2067	मंगल	04/07/2074	राहु	19/07/2084	गुरु	10/03/2095	शनि	04/10/2112
मंगल	28/03/2068	राहु	03/01/2076	गुरु	25/06/2085	शनि	14/01/2098	बुध	10/01/2115
राहु	20/02/2069	गुरु	04/05/2077	शनि	03/08/2086	बुध	04/08/2100	केतु	17/12/2115
गुरु	09/12/2069	शनि	03/12/2078	बुध	01/08/2087	केतु	22/08/2101	शुक्र	16/07/2117
शनि	21/11/2070	बुध	04/05/2080	केतु	28/12/2087	शुक्र	22/08/2104		00/00/0000
बुध	27/09/2071	केतु	03/12/2080	शुक्र	26/02/2089	सूर्य	17/07/2105		00/00/0000
केतु	02/02/2072	शुक्र	03/08/2082	सूर्य	04/07/2089	चंद्र	16/01/2107		00/00/0000
शुक्र	01/02/2073	सूर्य	02/02/2083	चंद्र	02/02/2090	मंगल	03/02/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 5 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के तृतीय चरण में वृश्चिक लग्न के उदयकाल में हुआ था। आपका जन्म तुला नवमांश एवं मीन के द्रेष्काण के प्रभाव से लग्न का प्रभाव अति उच्चाकांक्षी एवं प्रभावशाली प्रतीत होता है एवं सूचित करता है कि आप मात्र निष्कपट प्राणी ही नहीं है, बल्कि आप सर्वथा धनी एवं संभव वैदेशिक परिभ्रमण परिदर्शनार्थी होंगी। आपमें धूमने फिरने की उत्कट लालशा विद्यमान है। आपको कतिपय वैदेशिक भूमि का परिभ्रमण क्रम में कार्य-व्यवसाय की अनुकूलता की संभावनाओं के कारण विदेश में अपना निवास भी बना सकती हैं।

आप अपने जीवन के उद्देश्यित कार्य संपादन हेतु समर्थ होंगी। आप अच्छी प्रकार यह जानती हैं कि लोगों के द्वारा किस प्रकार कुछ भी प्राप्त किया जाता है। आप किसी के साथ भी सन्निकटता प्राप्त करने में मास्टर है तथा शक्ति एवं अधिकृत पद प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय में कैसे उन्नति कर सकती हैं इस युक्ति पर आपको पूर्ण आस्था है। साथ ही आप चिकनी चुपड़ी एवं मीठी-मीठी बातें कर जनसामान्य को अपने वाक्य जाल में फंसा कर अपने प्रति विश्वासी बना लेती हैं। वास्तविकता तो यह है कि आप बाहर से और तथा अंदर हृदय से कुछ और है। आपके वाह्याचरण एवं अंतरंगता में भिन्नता है।

आप अपनी कार्य योजना के गुप्त रहस्यों को स्वयं जानती हो क्योंकि आप अपने अनुकूल समर्थ किसी अन्य को नहीं समझती। इससे आपको आश्चर्यजनक अनुकूलता प्राप्त होती है तथा अकस्मात् उछलकर अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए सुगमतापूर्वक कार्य संपादन कर लेती हैं।

आप में व्यक्तिगत रूप से उच्च महत्वकांक्षा विद्यमान हैं। आपका मुख्य उद्देश्य धन प्राप्त करना है। आप अपनी उपलब्धि के प्रति अपने मस्तिष्क में कोई बल नहीं देती। अर्थात् कोई विशेष चिंतनशील नहीं बनती हैं।

यदि ऐसी परिस्थिति आ जाय कि कोई व्यक्ति अनैतिकपूर्ण आचरण अर्थात् बेईमानी करें तो उसके प्रति प्रतिशोधात्मक रवैया अपनाकर, उसे प्रताड़ित करने अर्थात् सताने लगती हैं। यदि एक बार आप हिंसक प्रवृति अपना लेती है तो फिर आप जहरीले बिच्छू की भांति सतत् उस व्यक्ति को संतप्त करती रहती हैं।

आप भूमि से संबंधित व्यवसाय कर सकती हैं। यथा कृषिकार्य, खदान में खनिज खनन का कार्य, भूमि के नीचे अभियंत्रिकी कार्य आदि जो आपको उपयुक्त लगे वह कार्य कर सकती हैं। आप अभिनय कार्य अथवा कलाभवन अर्थात् साज-शय्या संबंधी कार्य में विशिष्टता प्राप्त कर सकती हैं।

आप परिवारिक जीवन से युक्त रहने को महत्त्व देती हैं। आप अपने प्यारे पति एवं समझदार अर्थात् उदीयमान पुत्र से युक्त अपना परिवारिक जीवन यापन हेतु उत्सुक रहती हैं।

आप अपनी आगामी कार्य योजना की अच्छी शुरूआत हेतु आश्वस्त रहती हैं। आप

अपनी जीवन संगी की उपुयक्ता हेतु जिसका जन्म बृश्चिक, मीन, कर्क, कन्या, मकर अथवा बृष राशि में हुआ है वह जीवन संगी आपके लिए अच्छा रहेगा। तब आप उस पति को अपने योग्य चयन कर सकती हैं जो आपको अच्छी संतान एवं सुखमय परिवार का आनंद दे सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग जो जीवन में अनिवार्यता की भूमिका प्रदान कर सके। उस रंग यथा पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंगों का चयन एवं पसंद कर सकती हैं परंतु सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुपयुक्त एवं त्याज्यनीय है।

अंकों में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक आपके लिए अनुकूल है, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुपयुक्त है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।